



Department of Samhita Siddhant

The List of Essential Charts

Sr. No.	Name of Chart	Sr. No.	Name of Chart
1.	गण्डुष आरचोतयन - अंजन - नरय धूमपाण-वर्गीकरण	2.	आप्तगुण
3.	त्रिदोष - चरा प्रकोप - प्रश्नम काल	4.	चरक संहिते नुसार गुण वर्गीकरण
5.	त्रिदोष स्थान विशेष	6.	कारक प्रकरणम्
7.	ताज्या दशाविधि पापकर्मे	8.	सदाचार - सेवा आरोग्य
9.	ऋतुकाल स्थिती	10.	सात्त्विक आहार - निषिद्ध आहार
11.	पाठ चतुष्ट	12.	आरोग्यदानसे अपाट ऐश्वर्यकी प्राप्ति
13.	अजीर्ण प्रकार	14.	नीतीपलन महर्षि वेदव्यासद्वारा सुखदेव आदिको भगवन्नीतिका उपदेश
15.	द्रव्याचे विस गुण	16.	पितामह ब्रामद्वारा आयुर्वेदका उपदेश
17.	त्रिदोष व शरीर -काल- भ्रुत - वय - वय अभिन - कोष्ठ - संबंध	18.	महर्षि चरक महर्षि सुश्रुत
19.	अष्टांग आयुर्वेद	20.	सुर्योपासनसे आरोग्यकी प्राप्ती
21.	औषध सेवन काल	22.	आयुर्वेदके प्रवर्तक भगवान धन्वन्तरी
23.	रोगमार्ज	24.	आयुर्वेदके उपदेशा देवराज इन्द्र
25.	आयुर्वेद	26.	देव वैद्य अश्विनीकुमारेंद्रारा महर्षि च्यवनको युवावरथाकी प्राप्ति
27.	अष्टांग संग्रह	28.	आरोग्य - साधनसे जीवन्मुक्ति
29.	भेल संहिता	30.	आयुर्वेद मुर्ती भगवान सदाशीत
31.	सुश्रुत संहिता	32.	Yantram 1
33.	लघुत्रयी	34.	Yantram
35.	वेद कालीन वाभ्यर्य	36.	नवज्वर
37.	चरक संहिता	38.	सप्तधातु क्षय वर्णन
39.	काष्यप संहिता	40.	सप्तधातु गत ज्वर
41.	अयुर्वेदा व तरण	42.	शोष
43.	हरित संहिता	44.	विषम ज्वर
45.	अष्टांग हृदय	46.	पुनरावर्तक ज्वर
47.	धन्वंतरिस्तवनम्	48.	कुष्ठ निदान
49.	आदर्श राष्ट्रज्य वैदिकी कल्पना	50.	अष्टोआहारविधी विशेषायतन
51.	परस्मैपदी कालार्थ प्रत्येयः	52.	प्रयत्नाः
53.	अथात् संधिप्रकरणम्	54.	वर्ण उत्पत्ती स्थान
55.	कारकम्	56.	माहेश्वरी सूत्राणि




Principal
Smt. Vimla Devi Ayurvedic
Medical College & Hospital

57.	आत्मनेपटी कालार्थ प्रत्येयः	58.	पंचतंत्र अपरिक्षितकारक
59.	विसर्ग संधि	60.	वैग
61.	अथ हल्सांधिप्रकरणम्	62.	त्रिदोष व परमाऔषध
63.	प्रार्थना	64.	दिनचर्या
65.	प्रमाण विचार	66.	ऋतुकाल
67.	प्रमाणम्	68.	संभाषाविद्धी
69.	तंत्रयुक्ती	70.	त्रिदोष परम औषध
71.	तैद्यकिय सुआषित साहित्यम्	72.	वैग
73.	प्रत्यक्षा बाधकर हेतु	74.	ऋतुकाल
75.	चरक संहितेनुसार गुण वर्णिकरण	76.	स्नेहन - स्वेदन
77.	दर्शनोवत पदार्थ वर्गिकरण	78.	ऋतुचर्या
79.	प्राचिन भारतीय दर्शन (वर्गिकरण)	80.	खतमोक्षण
81.	कल्पस्थानातील द्रव्यांची नावे	82.	पंचोन्मादा
83.	चतुर्विंशान्ति उपक्रम	84.	साहसजन्य राजयाक्षमात्री लक्षणे
85.	वातज ग्रहणी लक्षणे	86.	दशप्राणायतन
87.	बस्ति नेत्रांचे आठ दोष	88.	कृष्टाचे सामान्य निदान
89.	प्रमेह प्रकार	90.	खतपिताती पूर्वरूपे
91.	स्सायन व वाजीकरण	92.	अपस्माराती पुर्वरूपे
93.	त्याकरण के प्रयोजन	94.	अकर्मक धातवः
95.	उपसर्गाः	96.	चिकित्सायाः चत्वारः पादाः
97.	साथाथैद्यः	98.	विभवितकारिकावली ।




Principal
Smt. Vimaladevi Ayurvedic
Medical College & Hospital